स० ग्रो॰वि॰/एफ.डी./196-86/47641 — चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै॰ ऊषा रेक्टिकायुर कार-पोरेशन (ग्रोडे) लि॰, 12/1, माथुरा रोड़, फरीदाबाद, के श्रीमक श्री राम ग्रग्नेण, मार्फत श्री के॰ एलं॰ ग्रमा, उप प्रधान, हरियाणा इन्टक, जी-15, श्रोल्ड प्रेस कालोनी, फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई ग्रौडोगिक विवाद है;

ग्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिये, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (व) द्वारा प्रदान की गई शिवतयों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, हिर्याणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामला जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा अभिकीं के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है अथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है ज्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं:—

क्या श्री राम प्रग्रेश, की छंटनी न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार हैं ?

सं. ग्री. वि. /हिसार/82-85/47648.—चूकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मैंट (1) परिवहन ग्रायुक्त, हरियाणा, चण्डीगढ़, (2) महा प्रवन्धक, हरियाणा राज्य परिवहन, सिरसा के श्रीमक श्री सुभाष चन्द, पुत्र श्री पुरत राम, टिकट वैरीफायर मार्फत श्री हरदेव सिंह समाग एडवोकेट, जिला कोर्ट, सिरसा तथा उसके प्रवन्धकों के बीच इस में इसके बाद लिखित मामले में कोई ग्रीधोगिक विवाद है ;

ग्रौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिये, ग्रब, ग्रौद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 की घारा 10 की उपघारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा सरकारी ग्रिधिसूचना सं. 9641-1-श्रम-78/32573, दिनांक 6 नवम्बर, 1970 के साथ गठित सरकारी ग्रिधिसूचना की धारा 7 के ग्रिधीन गठित श्रम न्यायालय, रोहतक की विवाद ग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचें लिखा मामला न्यायिनर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवाद-ग्रस्त मामला है या उक्त विवाद से सुसंगत अथवा सम्बन्धित है :—

क्या श्री सुभाष चन्द की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, ती वह किस राहत का हकदार है ?

संव औं वि०/एम बी०/116-86/47655. -- चूं कि हरियाणा के राज्यपा की राय है कि मैं बी. एल. इन्डस्ट्रीज, सैनटर 25, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री कल्लू, पुत्र श्री छितल, गाँव फतेहपुर तमा, तहसील बल्लबमढ़, जिला फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई ग्रीडोंगिक विवाद है;

श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिणंय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं;

सिलए, ग्रब, भीद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गईं अक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त प्रधिनियम की धारा 7-क के भवीन गर्कित श्रीद्वोगिक मिलकरण, हरियाणा, परीदाबाद, को नीचे विनिद्धिष्ट मामला जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रीमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है ग्रथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेत् निर्दिष्ट करते हैं:—

क्या श्री कल्लू की छंटनी स्थायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० ग्रो०वि०/एफ०डी०/52-86/47662.—बूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मै० कास्ट-ई-क्ला, प्लाट 108, सैक्टर 6, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री हरिगोविन्द, पुत्र श्री पितम मार्फत श्री चमन लाल ग्रोबराय, 1-ए/119, एक० ग्राई० टी० फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इस में, इसके बाद लिखित मार्मले के सम्बन्ध में कोई ग्रीबोगिक विवाद है;

ग्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हैतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिये, ग्रब, ग्रौद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 की भारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त ग्रीधिनियम की धारा 7 के के ग्रीकीन बिक्त ग्रीखोगिक ग्रिधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामला जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रीमिक के श्रीच या तो विवादग्रस्त मामला है ग्रथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है न्यायनिर्णय एवं पंचाद तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं:--

क्या श्री हरिगोविन्द की सेवाग्रों का समापन न्यायोजित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?